सत्यमेव जयते
Department of Science and Technology
Ministry of Science and Technology
Governement of India

वैश्विक भारतीय वैज्ञानिक (वैभव) फैलोशिप (प्रथम आह्वान)

(भारतीय प्रवासियों के लिए)

(एनआरआई/ओसीआई/पीआईओ के लिए)

प्रारंभ तिथि: 15 **जून** 2023

अंतिम तिथि: 31 **जुलाई** 2023

https://dst.gov.in/

भारत सरकार ने भारतीय एसटीईएमएम डायस्पोरा को भारतीय संस्थानों से जोड़ने के लिए **वैश्विक भारतीय वैज्ञानिक (वैभव)** शिखर सम्मेलन का आयोजन किया था। शिखर सम्मेलन में 25,000 से अधिक उपस्थित लोगों ने भाग लिया। 230 पैनल चर्चा सत्र 18 उद्भागों (अनुसंधान क्षेत्रों) और 80 समभागों (उप-अनुसंधान क्षेत्रों) पर 23 दिनों में आयोजित किए गए (अगले खंडों में अधिक विवरण देखें)। 70 से अधिक देशों के भारतीय एसटीईएमएम डायस्पोरा ने विचार-विमर्श में भाग लिया था।

इस संबंध में सरकार ने वैभव कार्यक्रम को रूपांकित करने और लागू करने के लिए एक कदम आगे बढ़ाया है और पहले चरण के रूप में वैभव फेलोशिप कॉल-2023 की घोषणा कर रही है। **विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग,** विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, वैभव फैलोशिप कार्यक्रम को लागू करेगा। डीएसटी विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत सरकारी विभाग है जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी के नए क्षेत्रों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से देश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी गतिविधियों के आयोजन, समन्वय और संवर्धन के लिए नोडल विभाग की भूमिका निभाता है।

वैभव फेलोशिप भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई)**,** विश्वविद्यालयों और/या सार्वजनिक वित्त पोषित वैज्ञानिक संस्थानों में कार्यरत भारतीय प्रवासी वैज्ञानिकों के बीच सहयोग की परिकल्पना करता है। वैभव फेलो सहयोग के लिए भारतीय संस्थान की पहचान करेगा और अधिकतम **3** वर्षों में वर्ष में दो महीने तक समय व्यतीत कर सकता है।

फैलोशिप के लिए परिलब्धियां:

- फैलोशिप अधिकतम 03 वर्ष की अवधि में प्रतिवर्ष न्यूनतम 01 माह और अधिकतम 2 माह के लिए मोटे तौर पर 4 लाख भारतीय रुपये (प्रति माह अमरीकी डॉलर 5000 के बराबर),
- मूल संस्थान में कार्यस्थल से भारत में कार्यस्थल तक व्यवसाय श्रेणी में वर्ष में एक बार अंतर्राष्ट्रीय यात्रा,
- गेस्ट हाउस या होटल में प्रति दिन 7500/- रुपये तक पूरी तरह से सुसज्जित आवास
- भारत में अनुसंधान व्यय के लिए रु. 1,00,000 प्रति वर्ष का आकस्मिक व्यय
- शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए एक वर्ष में दो भारतीय शैक्षणिक/वैज्ञानिक संस्थानों तक की घरेलू यात्रा (इकोनॉमी क्लास)। यह ध्यान दिया जाए कि कुल पात्र अनुदान भारतीय मेजबान संस्थान को जारी किया जाएगा और ये संस्थान वैभव फेलो को फैलोशिप राशि प्रदान करेंगे और अन्य सहायता भी प्रदान करेंगे।

<u>वैभव अध्येता से प्रत्याशा:</u>

- अनुसंधान और अनुसंधान अंतरण, उद्भवन आदि पर बेहतरीन प्राचलन पद्धतियों का साझाकरण।
- दीर्घकालिक संबंध का निर्माण,
- भारतीय छात्रों को विदेशी फैकल्टी/वैज्ञानिकों से जोड़ना
- अनुसंधान प्रक्रियाओं और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में नया उपगमन

वैभव फेलो से प्रत्याशा की जाती है कि वह यात्रा पूरी होने के 21 दिनों के भीतर डीएसटी को रिपोर्ट देगा, जिसमें किए गए/शुरू किए गए कार्य, अपेक्षित–अनुवर्तन आदि का उल्लेख किया गया हो।

मेजबान संस्थान से प्रत्याशा

मेजबान संस्थान वैज्ञानिक की मेजबानी करेगा और कार्यालय/प्रयोगशाला सुविधा, उपभोज्य वस्तु, प्रयोगशाला उपकरण तक पहुंच और विभिन्न अवसंरचना सहायता सुविधा प्रदान करेगा। मेजबान संकाय सदस्य/वैज्ञानिक द्वारा निम्नलिखित गतिविधियां की जाएंगी:

• परियोजना/प्रौद्योगिकी अंतरण/स्टार्ट-अप/इन्क्यूबेशन शुरू करेगा जिसे देश के प्राथमिकता वाले क्षेत्र के साथ अनुकूलित किया जाना चाहिए

• वैभव फेलो अपनी यात्रा के दौरान और उसके बाद ऑनलाइन बैठकों के माध्यम से भारतीय वैज्ञानिक टीम के साथ सहयोग करेगा।

• मेजबान संस्था वैभव फेलो के परामर्श से 3 साल के भीतर परियोजना को कार्यान्वित करेगी।

• मेजबान संस्थान प्रत्येक वर्ष के अंत में डीएसटी को प्रगति रिपोर्ट और वित्तीय दस्तावेज प्रस्तुत करेगा और तीसरे वर्ष के अंत में परियोजना पूर्णता रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। रिपोर्ट को मेजबान और वैभव अध्येता द्वारा संयुक्त रूप से तैयार करने की आवश्यकता है।

• मेजबान संस्थान साझाकृत सर्वोत्तम प्राचलन पद्धतियों को अनुकूलित करेगा ।

• अध्येता के साथ लंबी अवधि के शोध संबंध बनाए जाएंगे ।

• अनुसंधान प्रक्रियाओं के लिए नया उपगमन विकसित करेगा और नई तकनीकों/नवाचार आदि को विकसित करने का प्रयास करेगा।

वैभव फेलो को परिलब्धियों के अलावा, डीएसटी मानदंडों के अनुसार अनुसंधान कार्य में वैभव फेलो की सुविधा के लिए मेजबान संस्थान को वित्तीय सहायता (3 साल के लिए प्रति वर्ष 5 लाख तक) दी जाएगी। यह फंडिंग परियोजना के संबंध में निम्नलिखित खर्चों को कवर करेगी;

- ***उपभोज्य वस्तु और सहायक उपकरण,***
- ***आकस्मिकता***
- ***संस्थागत ओवरहेड***

बजटीय सहायता का औचित्य मेजबान संस्थान द्वारा प्रदान करने की आवश्यकता है, जिसके लिए परियोजना प्रस्ताव वैभव फेलो के परामर्श से वैभव फैलोशिप आवेदन के भाग के रूप में मेजबान संस्थान द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा।

सभी मेजबान संस्थानों के लिए सार्वजनिक निधि प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) में पंजीकरण अनिवार्य है। यदि भारतीय मेजबान संस्थान निजी संगठन है, तो नीति आयोग के दर्पण पोर्टल में पंजीकरण करना चाहिए ।

किस अनुसंधान क्षेत्र के तहत आवेदन प्रस्तुत किए जा सकते हैं

वैभव के प्रवर चिहिनत उद्भाग और समभाग में प्रस्ताव मांगे गए हैं (जैसा कि उद्देशिका में उल्लेख किया गया है):

1. **क्वांटम टेक्नोलॉजीज:** क्वांटम कम्युनिकेशन; क्वांटम कम्प्यूटिंग; क्वांटम सेंसिंग और मेट्रोलॉजी; क्वांटम सामग्री और युक्ति
2. **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग:** एआई/एमएल का मूलाधार; एआई/एमएल और सिग्नल; सामाजिक भलाई के लिए एआई; एआई और रोबोटिक्स
3. **कम्प्यूटेशनल विज्ञान:** उच्च निष्पादन कंप्यूटिंग आर्किटेक्चर; कम्प्यूटेशनल वायुमंडलीय विज्ञान; साइबर भौतिक प्रणाली
4. **डेटा साइंस:** डेटा साइंस प्रोजेक्ट मैनेजमेंट; डेटा साइंस इन्फ्रास्ट्रक्चर, परिनियोजन और होस्टिंग; डेटा गोपनीयता और सुरक्षा; डेटा विज्ञान शिक्षा; डेटा साइंस एप्लीकेशन
5. **फोटोनिक्स:** फोटोनिक युक्ति; ऑप्टिकल इमेजिंग और बायो-फोटोनिक्स; फोटोनिक सामग्री और स्रोत; नैनो-फोटोनिक्स; एकीकृत फोटोनिक्स और संचार
6. **ऊर्जा:** अत्याधुनिक विद्युत तंत्र; सतत गतिशीलता प्रौद्योगिकियां; उन्नत जीवाश्म प्रौद्योगिकियां; सतत भविष्य ईंधन

7. **इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकियां:** सेमीकंडक्टर सामग्री और प्रक्रिया प्रौद्योगिकियां; अर्धचालक युक्ति: भौतिकी और प्रौद्योगिकी; इलेक्ट्रॉनिक सर्किट और सिस्टम डिजाइन

8. **संचार प्रौद्योगिकियां:** सेलुलर विकास 5G और परे (**THz Comm**); आईओटी/सीपीएस के लिए संचार प्रौद्योगिकी; हाई स्पीड ऑप्टिकल कम्युनिकेशन - बैकबोन नेटवर्क; फ्यूचरिस्टिक कम्युनिकेशन के लिए संज्ञानात्मक प्रौद्योगिकियां

9. **एयरोस्पेस प्रौद्योगिकियां:** एयरोस्पेस सिस्टम और डिजाइन; प्रणोदन टेक्नोलॉजीज; उड़ान संरचना और इंटीग्रिटी; मॉडलिंग और सिमुलेशन; मानव रहित एरियल सिस्टम और काउंटरमेश्जर्स

10. **सामग्री और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियां:** संरचनात्मक सामग्री; सामग्री पुनर्चक्रण और शुद्धिकरण; उन्नत और कार्यात्मक सामग्री; उत्प्रेरक सामग्री और प्रक्रम; कम्प्यूटेशनल पदार्थ विज्ञान

11. **पृथ्वी विज्ञान:** वायुमंडलीय विज्ञान; ध्रुवीय विज्ञान; महासागर विज्ञान/प्रौद्योगिकी; भू विज्ञान / प्रौद्योगिकी
12. **पर्यावरण विज्ञान:** वायु गुणवत्ता प्रबंधन; जल गुणवत्ता प्रबंधन; मृदा और अपशिष्ट प्रबंधन; कार्बन प्रच्छादन और जैव विविधता संरक्षण; जलवायु परिवर्तन
13. **उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकियां:** स्मार्ट विनिर्माण, आईओटी, डिजिटल विनिर्माण; योगात्मक विनिर्माण; प्रेसिजन/माइक्रो-नैनो मैन्युफैक्चरिंग/सरफेस इंजीनियरिंग; औद्योगिक मशीनें, रोबोटिक्स/स्वचालित यंत्र; विशेषता उत्पाद विनिर्माण
14. **स्वास्थ्य**, **चिकित्सा विज्ञान और जैव चिकित्सा युक्ति:** स्वास्थ्य देखभाल में उन्नत प्रौद्योगिकियां; यथार्थिक स्वास्थ्य; समग्र स्वास्थ्य; दूरस्थ और ग्रामीण स्वास्थ्य – अगम्य तक प्रसार
15. **फार्मास्यूटिकल्स और जैव-प्रौद्योगिकी:** बायोथेराप्यूटिक्स और बायोसिमिलर; औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी; संक्रामक रोग / रोग जीव विज्ञान; ड्रग डिस्कवरी, रीपर्पोजिंग और ड्रग डिलीवरी
16. **कृषि विज्ञान:** यथार्थ कृषि; सतत और जलवायु सुव्यवस्थित कृषि; खाद्य सुरक्षा और पोषण सुरक्षा; जलवायु कठिन हालात सह्य पशुधन, पशु चिकित्सा सह्य और पशु से मानव में संचरणीय रोग नियंत्रण, सतत कृषि और चयापचय जीव विज्ञान में नैनो तकनीक, आधुनिक मत्स्य पालन और एक्वाकल्चर और बीज उत्पादन, जीनोम संपादन, रोबोटिक्स, कृषि स्वचालित यंत्र, डिजिटल कृषि,
17. **एसडीजी के लिए सामाजिक विज्ञान:** व्यवहारवादी सामुदायिक उपगमन और सामाजिक विकास पर इसका प्रभाव; सोद्देश्य प्रौद्योगिकी विकास से सामाजिक छवि; सामाजिक-आर्थिक विकास की छवि
18. **प्रबंधन:** अकादमिक सहयोग संवर्धन; भारतीय संस्थानों से अनुसंधान एवं विकास के आउटपुट में वर्धक क्रियाविधि; व्यवसाय नवोन्मेष; विकास उद्यमशीलता; नव युग (ज्ञान) संगठन प्रबंधन; भारत को दुनिया का अनुसंधान एवं विकास केंद्र बनाना/ भारत को प्राचलन पद्धति-उन्मुख प्रबंधन ज्ञान का केंद्र बनाना

<u>योग्यता: (वैभव अध्येता के आवेदकों हेतु)</u>

- वर्तमान में विदेश में कार्यरत अनिवासी भारतीय (एनआरआई), भारतीय मूल के व्यक्ति (पीआईओ) और भारत के प्रवासी नागरिक (ओसीआई),
- किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से पीएचडी/एमडी/एमएस/एम. टेक की डिग्री
- सक्रिय अनुसंधान में क्रियाशील
- कम से कम 5 साल अथवा उससे अधिक के लिए शीर्ष -200 क्यूएस विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग (विषय-वार) (नियमित/ पदावधिक नियोजन में) के संस्थान/विश्वविद्यालय में कार्यरत/प्रदत्त कार्य सेवा।

<u>या</u>

विदेश में प्रतिष्ठित उद्योग या अनुसंधान प्रयोगशालाओं में कम से कम 5 वर्ष या उससे अधिक समय तक कार्यरत (लेकिन पीएचडी या पोस्ट-डॉक्टोरल अध्येता नहीं होना चाहिए)

पात्रता: (मेजबान भारतीय संस्थान के लिए)

- एनआईआरएफ समग्र रैंकिंग में शीर्ष 200 में स्थानधारक अथवा एनएएसी 'ए +' ग्रेड या उससे अधिक वाला उच्चतर शिक्षण संस्थान/ विश्वविद्यालय
- लोक निधीयित वैज्ञानिक संस्थान/राष्ट्रीय प्रयोगशाला।

आवेदन हेतु जरूरी दस्तावेज

- प्रयोजन विवरण (अधिकतम एक पृष्ठ)
- निर्धारित संरूप में आवेदक का जीवनवृत्त (अधिकतम दो पृष्ठ)
- इंपेक्ट फैक्टर सहित आवेदक के नवीनतम (गत तीन वर्ष) प्रकाशनों की सूची
- वैध पासपोर्ट की प्रति
- शैक्षणिक योग्यता - उच्चतम डिग्री के प्रमाण-पत्र की प्रति
- अनुभव प्रमाण-पत्र
- निर्धारित संरूप में आवेदक का वचनबंध
- मूल संस्थान का अनापत्ति प्रमाण पत्र
- भारतीय मेजबान संस्थान का सहमति पत्र
- मेजबान वैज्ञानिक/संकाय का जीवनवृत्त (अधिकतम दो पृष्ठ)
- इंपेक्ट फैक्टर सहित मेजबान वैज्ञानिक/संकाय सदस्य के नवीनतम (गत तीन वर्ष) प्रकाशनों की सूची

आवेदन कैसे करें

प्रत्येक आवेदन डीएसटी को प्रस्तुत किया जाना चाहिए। कृपया निम्नलिखित महत्वपूर्ण आवेदन निर्देशों पर ध्यान दें:

- आवेदन डीएसटी को ऑनलाइन जमा किया जाना है। मेजबान वैज्ञानिक को भारतीय प्रवासी की ओर से आवेदन करने की आवश्यकता है क्योंकि डीएसटी मेजबान संस्थान को धन जारी करेगा जिसकी प्रतिपूर्ति मेजबान संस्थान द्वारा की जाएगी।
- आवेदक वेबसाइट www.dst.gov.in/ https://onlinedst.gov.in/Projectproposalformat.aspx?Id=2317 से प्रस्ताव संरूप डाउनलोड कर सकते हैं और डीएसटी के ई-पीएमएस पोर्टल के माध्यम से परिपूर्ण आवेदन-पत्र और सभी प्रासंगिक जानकारी प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त किए जाएंगे। भौतिक अथवा ई-मेल आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।
- प्रस्ताव में किसी भी तरह की त्रुटि या ई-पीएमएस पोर्टल के माध्यम से अप्रस्तुति के परिणामस्वरूप प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया जाएगा। डीएसटी, इन त्रुटियों के लिए उत्तरदायी नहीं होगा।
- यदि आवेदक समय पर प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं करता है, तो डीएसटी उस परियोजना को ऑफ़लाइन स्वीकार नहीं करेगा और तिथि बढ़ाने के किसी अनुरोध पर भी विचार नहीं किया जाएगा।
- यह ध्यान रखा जाए कि आवेदन प्रस्तुत करने के बाद, आवेदक को सिस्टम द्वारा स्वतः निर्मित अस्थायी परियोजना संख्या (टीपीएन), प्राप्त होगी, जिसका उल्लेख भविष्य के सभी पत्राचार में किया जाना चाहिए।

महत्वपूर्ण तिथियां

- डीएसटी वेबसाइट पर वैभव अध्येतावृत्ति का प्रारंभण: 15 जून, 2023
- वर्तमान चक्र में आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि: 31 जुलाई, 2023 (शाम 5:00 बजे आईएसटी)

योग्यता मूल्यांकन मानदंड और प्रतिदेय

हम अनुसंधान उत्कृष्टता को सहायित करते हैं और इसलिए इन योगदानों की गुणवत्ता और प्रभाव पर ध्यान देने के साथ, योग्यता समीक्षा प्रक्रिया के भाग के रूप में अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श में योगदान पर विचार किया जाता है और उन्हें महत्व दिया जाता है। निधीयन के लिए विचार किए जाने हेतु आवेदनों को निम्नलिखित सभी मानदंडों को पूरा करना चाहिए:

- महत्व और मौलिकता सहित प्रस्ताव और अनुसंधान निष्कर्ष की गुणवत्ता;

- सामाजिक लाभ सहित प्रासंगिकता और परिणाम;
- ज्ञान अंतरण, विनिमय और प्रसार;
- भागीदारी और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग;
- आवेदक को अपने मूल संस्थान से सहमति पत्र प्रस्तुत करना होगा।
- अपेक्षित परिणाम, निष्कर्ष और उन्हें प्राप्त करने के लिए बजट कार्यनीति की उपयुक्तता।

<u>आवेदन मूल्यांकन समीक्षा प्रक्रिया</u>

- सभी आवेदनों पर अत्यंत गोपनीयता से कार्रवाई की जाएगी।
- भारत और सरकारी विभागों के प्रतिनिधि और स्वतंत्र बाह्य समीक्षकों से गठित समीक्षा समिति प्रस्तावों की जांच करेगी।
- डीएसटी, लघुसूचीयित आवेदकों को समीक्षा प्रक्रिया के भाग के रूप में उनके प्रस्तावित कार्य की ऑनलाइन प्रस्तुति के लिए आमंत्रित करने पर विचार कर सकता है। आवेदनों को निधीयन योग्य विचार किए जाने के लिए सकारात्मक रेटिंग प्राप्त करनी होगी।
- विशेषज्ञ समीक्षा समिति निर्दिष्ट उद्धाग में आवेदक को प्राथमिकता देगी। वैभव शीर्ष समिति की सिफारिश पर अंतिम निर्णय सरकार द्वारा लिया जाएगा।

संपर्क विवरण**:**

अधिक जानकारी के लिए निम्नलिखित से संपर्क किया जा सकता है:

डॉ. एस. के. वार्ष्णेय सलाहकार और प्रमुख, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग प्रौद्योगिकी भवन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग नई दिल्ली-**110016** ईमेल: **skvdst@nic.in**	श्री सुजीत बनर्जी सलाहकार अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग प्रौद्योगिकी भवन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग नई दिल्ली-**110016** ईमेल: **sujit@nic.in**	डॉ. चारु अग्रवाल वैज्ञानिक-सी अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग प्रौद्योगिकी भवन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग नई दिल्ली-**110016** ईमेल: **c.agarwal@gov.in**

सत्यमेव जयते
Department of Science and Technology
Ministry of Science and Technology
Governement of India

वैभव फैलोशिप
के लिए आवेदन संरूप (प्रथम आह्वान)
(भारतीय प्रवासियों के लिए)

1. सामान्य जानकारी		
i.	**प्रस्ताव का शीर्षक**	
ii.	**महत्वपूर्ण संकेतशब्द**	
iii.	**यात्रा की प्रस्तावित अवधि (**03 **वर्ष में न्यूनतम** 1 **महीने और अधिकतम** 02 **महीने/ वर्ष तक)**	
क) मूल संस्थान का विवरण		
iv.	**मूल संस्थान / विश्वविद्यालय / राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला (जहां आवेदक**	

	कार्यरत है)	
v.	▪ क्या संस्थान जिसमें आवेदक काम कर रहा है/कर चुका है शीर्ष -200 क्यूएस विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग 2023 (विषयवार) के अंतर्गत है? ▪ यदि हां, तो संस्थान की क्यूएस विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग और वहां काम करने की अवधि का उल्लेख करें	
vi.	▪ क्या आप राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला / प्रतिष्ठित उद्योग में काम कर रहे हैं ▪ वर्तमान नियोजन में सेवा की अवधि	
ख) मेजबान संस्थान का विवरण		
vii.	▪ संस्थान का नाम और पता	
viii.	▪ क्या यह एनआईआरएफ रैंकिंग या एनएएसी ए+ या उससे ऊपर ग्रेड वाला संस्थान / विश्वविद्यालय है? (हाँ/नहीं) ▪ यदि हां, तो मेजबान संस्थान /राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला/विश्वविद्यालय की एनआईआरएफ रैंकिंग और एनएएसी ग्रेडिंग का उल्लेख करें	एनआईआरएफ रैंकिंग- एनएएसी ग्रेड -
ix.	क्या यह सार्वजनिक वित्त पोषित अनुसंधान प्रयोगशाला / संस्थान है? (हाँ/नहीं)	
x.	मेजबान वैज्ञानिक संकाय का नाम और पदनाम	
xi.	अनुदान प्राप्त करने के लिए भारतीय संस्थान/ विश्वविद्यालय में अधिकृत अधिकारी का पदनाम और पता	

2. आवेदक की व्यक्तिगत जानकारी

आवेदक का नाम				
स्थिति/पेशा सूचक शब्द (श्री/सुश्री/डॉ.)				
पिता का नाम			वर्तमान राष्ट्रीयता	
लिंग (पुरुष /महिला/अन्य)			जन्म के समय राष्ट्रीयता	
टेलीफोन:			मोबाईल :	
ईमेल:			फैक्स:	
जन्मतिथि :				
यदि आवेदक ओसीआई / पीआईओ कार्ड धारक है				
पासपोर्ट विवरण	पासपोर्ट सं.	जारी करने की तारीख	जारी करने का स्थान	कब तक तक

				मान्य
यदि आवेदक के पास कार्य परमिट/ कार्य वीजा/अन्य राष्ट्रीयता है (देश को इंगित करें)				
आपातकालीन संपर्क नंबर				
मूल संस्थान में वर्तमान पदनाम				

3. शैक्षणिक अर्हता (उच्चतम डिग्री)

उत्तीर्ण परीक्षा	उत्तीर्ण होने का वर्ष	संस्थान	प्रमुख विषय/विशेषज्ञता	ग्रेड/प्रतिशतता

3.1 अन्य अर्हता (यदि कोई हो):

3.2 शैक्षणिक पुरस्कार (यदि कोई हो)

क्र.सं.	पुरस्कार का नाम	वर्ष	पुरस्कार एजेंसी	अभ्युक्ति

3.3 ज्ञात भाषाएँ (उत्कृष्ट/अच्छा/संतोषजनक)

भाषा	पढ़ना (उत्कृष्ट/अच्छा/संतोषजनक)	लिखना (उत्कृष्ट/अच्छा/संतोषजनक)	बोलना (उत्कृष्ट/अच्छा/संतोषजनक)

4. नियोजन विवरण (वर्तमान नियोक्ता से शुरू)

नियोक्ता का नाम और पता	धारित पद (अस्थायी / नियमित)	अवधि		कर्तव्यों की प्रकृति
		कब से	कब तक	

4.1 पिछले 10 वर्षों में किए गए विदेशी व्यावसायिक दौरे

क्र.सं.	वर्ष	किस देश का दौरा किया	दौरे का उद्देश्य	निधीयन अभिकरण

4.2 वर्तमान अनुसंधान गतिविधियाँ

अनुसंधान के क्षेत्र	
समकक्ष व्यक्ति समीक्षित	

पत्रिकाओं, पुस्तकों, पुस्तक अध्यायों, पेटेंट आदि में प्रकाशित पत्रों की संख्या (सूची संलग्न करें)	
कार्यशील परियोजनाएं	

5. भारत में किए जाने वाले अनुसंधान कार्यों का विवरण और वैज्ञानिक प्रक्षेत्रों / विकासात्मक अपेक्षाओं के लिए इसकी प्रासंगिकता (मेजबान वैज्ञानिक और अध्येता मिलजुलकर परियोजना विकसित करेंगे)

5.1 सहयोगशील परियोजना अवलोकन

(अधिकतम 1000 शब्द)
निम्नलिखित की चर्चा शामिल करें:

- प्रस्ताव की उत्पत्ति पर चर्चा
- उद्धृत साहित्य द्वारा समर्थित विषय का औचित्य ,
- परिकल्पना और मूल प्रश्न
- कार्य पद्धति
- विषय में अनुसंधान और विकास की वर्तमान स्थिति
- प्रस्तावित अध्ययन की प्रासंगिकता और प्रत्याशित परिणाम
- अब तक किया गया प्रास्ताविक कार्य

5.2 सहयोगशील परियोजना के उद्देश्य

(अधिकतम 1000 शब्द)
बुलेटेड रूप में होना चाहिए, उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए अपनाई जाने वाली विधियों को इंगित करने वाला एक छोटा पैराग्राफ और प्रगति के सत्यापन योग्य संकेतकों को प्रत्येक विशिष्ट उद्देश्य के अनुसार होना चाहिए।

5.3 प्रमुख उपलब्धियां:

परियोजना तत्व	हासिल की जाने वाली उपलब्धियां	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	परिणाम का प्रभाव
		यदि आवश्यक हो तो अधिक पंक्तियाँ जोड़ें			

5.4 सहयोग के अपेक्षित परिणाम:

(अधिकतम 1000 शब्द)

5.5 संभावित परिणाम**:**

(अधिकतम 1000 शब्द)

निम्नलिखित मुद्दों पर चर्चा करें:

(1) सामुदायिक संदर्भ में अनुसंधान परिणामों के परिनियोजन या ज्ञानांतरण की युक्ति विनिर्दिष्ट करें।

(2) सामुदायिक संदर्भ में परिनियोजन या ज्ञानांतरण या अनुसंधान परिणामों में किसी पूर्वअनुमानित चुनौतियों की पहचान करना और यदि वे उत्पन्न होती हैं तो आप इन चुनौतियों को कम करने की योजना कैसे बनाते हैं।

(3) यह पता लगाएं कि आप प्रस्तावित नवोन्मेषों और प्रौद्योगिकियों के विकास और अनुप्रयोग में ज्ञानांतरण और अंतिम उपयोगकर्ता उपयोग के अवसरों की पहचान कैसे करेंगे**?**

5.6 प्रस्तावित अनुसंधान परियोजना के अद्वितीय और नवोन्मेषी पहलू (अधिकतम 1000 शब्द)

5.7 यह परियोजना मेजबान और मूल संस्थानों के लिए कैसे फायदेमंद होगी? (अधिकतम 1000 शब्द)

6. वित्तीय प्रभाव

6.1 परियोजना के कार्यान्वयन के लिए संस्थान में उपलब्ध उपकरणों और अन्य सुविधाओं की सूची

(यदि अन्य संस्थानों की सुविधाओं का उपयोग किया जाता है, तो इन संस्थानों (संस्थानों) का सहमति पत्र संलग्न किया जा सकता है)

6.2 3 वर्षों के लिए प्रस्तावित बजट (बजट दिशानिर्देशों के अनुसार प्रस्तावित किया जाना चाहिए)

बजट शीर्ष	**प्रथम वित्तीय वर्ष**	**द्वितीय वित्तीय वर्ष**	**तृतीय वित्तीय वर्ष**
उपभोज्य सामग्री और सहायक उपकरण			
आकस्मिकता			
कुल			

6.3 उपभोज्य वस्तु का औचित्य

6.4. परियोजना कार्यान्वयन के लिए मूल संस्थाओं द्वारा दी जा रही सुविधाओं की सूची।

परियोजना के लिए संस्थान/समूह/विभाग/अन्य संस्थानों में उपलब्ध उपस्कर:

निम्नलिखित में उपलब्ध उपस्कर	उपस्कर का सामान्य नाम	मॉडल, निर्माण और खरीद का वर्ष	उपलब्ध सहायक उपस्कर और उपस्कर के वर्तमान उपयोग सहित अभियुक्तियाँ
मेजबान वैज्ञानिक और समूह			
मेजबान विभाग / संस्थान			

क्षेत्र में अन्य संस्थान			

7. अंतिम रूप से जमा करने से पहले आवेदन पत्र के साथ इन दस्तावेजों को संलग्न किया जाना चाहिए।

क) प्रस्तावित अनुसंधान कार्य का वर्णन करने वाला संक्षिप्त आलेख

ख) उच्चतम योग्यता के डिग्री प्रमाण पत्र की प्रति

ग) वैध पासपोर्ट की प्रति

घ) ओसीआई/पीआईओ कार्ड/वर्क वीजा की प्रति

ड.) भारत में आवेदक के अनुसंधान कार्य को करने के लिए भारतीय मेजबान पर्यवेक्षक से संस्थान के पत्रशीर्ष में सहमति पत्र

च) आवेदक के संस्थान का अनापत्ति/अग्रेषण पत्र।

छ) आवेदक का बायोडाटा निर्धारित संरूप (अधिकतम 2 पृष्ठ) में जिसमें सेवानिवृत्ति/पूर्णता अवधि, विशेषज्ञता का क्षेत्र, लिंग, वर्तमान अनुसंधान हित, महत्वपूर्ण उपलब्धि शामिल है।

ज) निर्धारित संरूप में आवेदक का वचनबंध

झ) प्रभाव कारकों के साथ प्रकाशनों की पिछले 3 वर्षों की सूची

ण) दो हालिया महत्वपूर्ण प्रकाशनों के पुनर्मुद्रण

ट) उद्देश्य का विवरण (अधिकतम 1 पृष्ठ)

ठ) मेजबान वैज्ञानिक का सीवी और पिछले 3 वर्षों के प्रकाशनों की सूची

मैं एतद्वारा प्रमाणित करता/करती हूं कि ऊपर दिए गए विवरण सत्य और सही हैं।

आवेदक के हस्ताक्षर **दिनांक और स्थान:**

किनके द्वारा अग्रेषित किया गया

प्रमुख, मूल संस्था / नियोक्ता **मेजबान वैज्ञानिक**

(हस्ताक्षर और कार्यालय मुहर सहित) **(हस्ताक्षर और कार्यालय मुहर सहित)**

प्रमुख मेजबान संस्थान

(हस्ताक्षर और कार्यालय मुहर सहित)

मूल संस्थान का अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी)

(संस्थान के लेटरहेड पर)

सेवा में,

प्रमुख,

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी)

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

नई दिल्ली-110016

विषय: वैभव फैलोशिप कार्यक्रम में आवेदन के लिए सहमति-पत्र - (उम्मीदवार का नाम)

श्री/श्रीमती/डॉ. ---------- भारतीय वैभव अध्येतावृत्ति कार्यक्रम के लिए आवेदक हैं। श्री/श्रीमती/डॉ. ---------- विगत ---------- वर्षों से इस संस्थान में ---------- पद पर नियुक्त हैं।

हमें ---------- के आवेदन-पत्र को समर्थित करने में कोई आपत्ति नहीं है। यदि ---------- ------- का चयन किया जाता है, तो उन्हें अध्येतावृत्ति प्राप्त करने की अनुमति प्रदान की जाएगी।

सादर,

(संस्थान प्रमुख के मुहर सहित हस्ताक्षर)

दिनांक

<u>वैभव अध्येता और मेजबान वैज्ञानिक की वचनबद्धता</u>

सेवा में,

प्रमुख
अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी)
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
नई दिल्ली-110016

महोदय,

हम _____ एतदद्वारा प्रमाणित करते हैं कि डीएसटी, नई दिल्ली द्वारा वैभव अध्येतावृत्ति हेतु प्रस्ताव आह्वान के तहत प्रस्तुत सहयोगशील प्रस्ताव जिसका नाम, "_____ _____" है, हमारी मौलिक उद्भावना है और इसे कहीं से अथवा किसी अन्य स्रोत से शब्दशः अनुकरण नहीं किया गया है। हम यह भी प्रमाणित करते हैं कि इस प्रस्ताव की साहित्यिक चौर्य जांच संस्थान द्वारा अनुमोदित साहित्यिक-चौर्य अभिज्ञान युक्ति _____ के माध्यम से की गई है और इसकी विषयवस्तु मौलिक है और किसी एक अथवा कई अन्य स्रोतों से कोई अनुकरण नहीं किया गया है। हम यह भी घोषणा करते हैं कि गत पाँच वर्षों में मेरे विरुद्ध साहित्यिक-चौर्य का कोई आरोप सिद्ध अथवा लंबित नहीं है। यदि निधीयन एजेंसी को मेरे उपरोक्त प्रस्ताव में कोई साहित्यिक चौर्य या कोई अन्य विसंगतियां पाती है, तो हम डीएसटी द्वारा अपने विरुद्ध की गई किसी भी यथावश्यक मान्य कार्रवाई का अनुपालन करेंगे।

मेजबान के दिनांक सहित हस्ताक्षर **वैभव अध्येता के दिनांक सहित हस्ताक्षर**

नाम: **नाम:**

पदनाम: **पदनाम :**